हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शनिवार, 20 जुलाई 2024

13 मुख्यमंत्री ने आरोही स्कूल के टॉपर्स को किया सम्मानित

14 जिले के पहले मियावाकी वन का कुलपति व एसपी ने किया उद्घाटन

ओपन फिजिकल काउंसलिंग में 41 विद्यार्थियों को दिया दाखिला, आज भी होंगे दाखिले

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

कॉलेजों में रिक्त सीटें भरने के लिए शुक्रवार को भी ओपन फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में पीजी कॉलेज में सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित ओपन फिजिकल काउंसलिंग में पहुंचे 41 छात्र छात्राओं को मेरिट लिस्ट तैयार कर सीटें ऑफर की गई। जिसके बाद विद्यार्थियों ने फीस जमा करवाकर दाखिला लिया। पीजी कॉलेज के दाखिला नोडल अधिकारी डा. सतीश सैनी ने बताया कि आज विभिन्न संकाय में कुल 41 विद्यार्थियों को दाखिला दिया गया। जिसमें बीबीए में दो विद्यार्थी, बीए में सबसे ज्यादा 25, बीएससी फिजिकल साइंस में 12 व बीएससी लाइफ साइंस में दो विद्यार्थी शामिल थे। उन्होंने बताया कि रिक्त सीटें भरने के लिए कॉलेज में नियमित रूप से सुबह नौ से दोपहर एक बजे तक ओपन फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया जाएगा। दाखिले से वंचित विद्यार्थी काउंसलिंग में मौके पर उपस्थित होकर दाखिला ले सकते है।

25 जुलाई तक ही खुला है पोर्टल: महाविद्यालय के पब्लिक रिलेशन ऑफिसर डा. चंद्र मोहन ने बताया कि छात्र छात्राओं को स्नातकोत्तर के लिए दूर दराज क्षेत्रों में जाना पड़ता था, लेकिन अब गृह जिले में सभी विषयों को पढ़ने को मिल रहे है। इसलिए अधिक से अधिक विद्यार्थी प्रदेश के सबसे पुराने व सबसे बड़े राजकीय महाविद्यालय में शिक्षा का लाभ उठाए, साथ ही जिन विद्यार्थियों ने एडमिशन ले लिया है वे सभी संबंधित कमेटियों के समक्ष जाकर अपने ओरिजनल सर्टिफिकेट को वैरिफिकेशन करवाएं अन्यथा उनके दाखिला रद हो जाएंगे। संस्कृत के विभागाध्यक्ष डा. आशीष ने बताया है कि पोर्टल 25 जुलाई तक ही खुला है। इसके बाद पोर्टल बंद हो जाएगा, इसलिए अधिक से अधिक विद्यार्थी फार्म अप्लाई करे। महाविद्यालय के कुलसचिव डा. सतपाल सुलोदिया ने बताया कि छात्र छात्राएं स्नातकोत्तर के सभी विषयों को पढ़कर विभिन्न क्षेत्रों में अपना कीर्तिमान स्थापित कर देश में अपना व अपने माता पिता का नाम रोशन कर सकते है।

पीजी कोर्स: गिले में ही पढ़ने को मिलेंगे विद्यार्थियों को सभी विषय

राजकीय महाविद्यालय में स्नातकोत्तर के विभिन्न विषयों के कोर्स आरम्भ हो गए है। राजकीय महाविद्यालय में एमए, जिनमें हिन्दी, इंग्लिश, मैथमेटिक्स, राजनीतिक विज्ञान, संस्कृत, इतिहास, एमकॉम व एमएसी जिनमें रसायन शास्त्र, प्राणी शास्त्र, वनस्पति विज्ञान, भूगोल भूविज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, पीजीडीसीए के दाखिला आरम्भ हो चुके है। इच्छुक विद्यार्थी उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा की साइट पर जाकर ऑनलाइन फार्म अप्लाई कर सकते है।

खबर संक्षेप

छापड़ा सलीमपुर के मकान में चोरी

नारनौल। सदर थाना के अंतर्गत गांव छापड़ा सलीमपुर के एक मकान में चोरी की वारदात हुई है। इसकी शिकायत पीड़ित ने पुलिस को की है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात पर बीएनएस की धारा 305 के तहत केस दर्ज किया है। गांव छापड़ा सलीमपुर वासी भूपसिंह ने शिकायत में बताया है कि घर में संदूक में दो साइडों में अलग अलग आभूषण व पैसे रखे थे। 14 जुलाई को देखा तो सभी आभूषण व सामान एक साइड का जिसमें एक सोने का हार, एक सोने का टॉप्स व 30 हजार कैश चोरी हो गए थे।

घर के आगे से बाइक चोरी, केस दर्ज

महेंद्रगढ़। गांव माजरा खुर्द में घर के बाहर खड़ी बाइक को अज्ञात चोर चोरी करके ले गए। गांव माजरा निवासी राहुल कुमार ने बताया कि उसकी अपाची बाइक घर के बाहर खड़ी थी। बीती रात्रि को घर के आगे से चोरी हो गई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किसान पर तीन लोगों ने किया फायर, केस दर्ज

महेंद्रगढ़। गांव झगड़ोली में गाड़ी में सवार होकर आए अज्ञात तीन लोगों ने खेत में काम कर रहे एक किसान पर फायर कर दिया। किसान ने पुलिस थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की हैं। पुलिस ने किसान की शिकायत पर अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। किसान नरेश कुमार ने पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह गांव झगड़ोली का निवासी है। 18 जुलाई को वह अपने खेत में काम कर रहा था। तब लगभग आठ बजे के आसपास उसके मकान के आगे से गाड़ी गुजरी और वो कुछ देर बाद वापिस आई। उसमें तीन आदमी सवार थे। उन्होंने आते ही कहा कि हम देंगे तेरे को जमीन, ये बोलकर गोली चला दी, जिसमें दो फायरिंग हुई। इसके बाद वह भाग निकले और उसका बचाव हो गया। फिर वह अपने घर आ गया। गोली चलाने वाले की गाड़ी स्कॉर्पियो टाइप की थी, लेकिन वह पूर्ण रूप से नहीं देख पाया।

सात गांवों की सड़कों के लिए टेंडर जारी, एक दर्जन गांवों को मिलेगा फायदा

चार गांवों की सड़कों को सीएम से मिली मंजूरी, जल्द ही निर्माण कार्य होगा शुरू

गांव को गांव से जोड़ने वाली सड़कों की हालात काफी दयनीय थी। प्रदेश सरकार की ओर से इन सड़कों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

मुख्यमंत्री की ओर से दो गांवों को जोड़ने वाली चार सड़कों को मंजूरी मिली है। मार्केटिंग कमेटी की ओर से जल्द कागजी कार्रवाई पूरी करके सड़क का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इसके अलावा मार्केटिंग बोर्ड की ओर से महेंद्रगढ़ और सतनाली क्षेत्र की सात सड़कें दुरुस्त की जाएंगी, जिसमें करीब 1.71 करोड़ रुपये की लागत आएगी। सड़क का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद करीब एक दर्जन गांवों के ग्रामीणों को फायदा मिलेगा।

बता दें गांव को गांव से जोड़ने वाली सड़कों की हालात काफी दयनीय थी। प्रदेश सरकार की ओर से इन सड़कों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा हैं। मुख्यमंत्री की ओर से गांव ढाढोत के पीडब्ल्यूडी रोड से पूर्व सरपंच सुल्तान सिंह की ढाणी, गांव डुलाना से हरीसिंह की ढाणी, गांव सोहड़ी से नावां, गांव बास खुडाना की सड़क की मंजूरी दी गई है। विभाग की ओर से जल्द कागजी कार्रवाई पूरी की जाएंगी। इसके अलावा महेंद्रगढ़ और सतनाली क्षेत्र की सात सड़कों की मरम्मत के लिए जल्द ही टेंडर अलॉट किया जाएगा। इसके बाद मरम्मत और निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इन सात सड़कों की दशा सुधरने से हरियाणा के साथ-साथ राजस्थान के सीमा से स्टे गांवों को भी लाभ मिलेगा। इन सड़कों की 10 वर्ष से सुध नहीं ली गई थी। अधिकांश सड़कें बिल्कुल जर्जर हो चुकी हैं और रोड़े बिखरे पड़े हैं। मार्केटिंग बोर्ड ने इनकी दशा सुधारने के लिए टेंडर भी लगा दिए हैं। जल्द ही ठेकेदारों को टेंडर अलॉट करके काम शुरू करवाया जाएगा। सड़कों की विशेष मरम्मत के बाद ग्रामीणों को आवागमन में सहूलियत होगी।

महेंद्रगढ़। मार्केट कमेटी कार्यालय। फोटो: हरिभूमि

सीएम से मिल चुकी मंजूरी

मार्केट कमेटी के जेई दाताराम ने बताया कि सीएम की ओर चार सड़कों को मंजूरी मिली हैं। जल्द ही कागजी कार्रवाई पूरी करके टेंडर लगाए जाएंगे। इसके अलावामहेंद्रगढ़ और सतनाली खंड की सात सड़कों की विशेष मरम्मत के लिए टेंडर लगाए जा चुके हैं। जल्द ही निजी एजेंसियों को टेंडर अलॉट कर निर्माण शुरू कराया जाएगा।

इन सड़कों की सुधेगी दशा

गांव ढाढोत के पीडब्ल्यूडी रोड से पूर्व सरपंच सुल्तान सिंह की ढाणी तक 2.6 किलोमीटर की सड़क बनाई जाएंगी, जिसमें करीब 1.30 करोड़ रुपये की लागत आएंगी। गांव डुलाना से हरीसिंह की ढाणी की 500 मीटर की सड़क में 20 लाख रुपये, गांव सोहड़ी से नावां से 3 किलोमीटर की सड़क में 1.70 करोड़ व गांव बास खुडाना की 2.1 किलोमीटर की सड़क में करीब एक करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसके अलावा सात सड़कों की विशेष मरम्मत होनी है। इनमें खरखड़ा से महेंद्रगढ़-दादरी रोड पर 14.85 लाख रुपये, गांव मंढियाली से पहलाद की ढाणी तक 36.29 लाख रुपये, मालियां की ढाणी से गांव गढ़ी तक 12.20 लाख रुपये और गांव कुरहावटा से खातौद तक सड़क की मरम्मत पर 21.53 लाख रुपये खर्च होंगे। इसी प्रकार गांव कुरहावटा से खातौदड़ा तक 18.48 लाख रुपये, गांव डालनवास से जैतपुर तक राजस्थान की सीमा तक 35.82 लाख रुपये और बारड़ा टी-प्वाइंट से नूहनिया तक सड़क की विशेष मरम्मत 32.33 लाख रुपये से की जाएगी।

नारनौल। कृषि विभाग कार्यालय में छापामारी करने पहुंची टीम। फोटो: हरिभूमि

मुख्यमंत्री उड़नदस्ता टीम ने कृषि विभाग कार्यालय में मारा छापा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

मुख्यमंत्री उड़नदस्ता की टीम ने शुक्रवार को कृषि विभाग के कार्यालय में छापेमारी की। इस दौरान कई अनियमिताएं मिली। जिनके बारे में सीएम फ्लाइंग ने उच्च अधिकारी को लिखा है। जिसके बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वही दूसरी ओर कृषि विभाग कार्यालय में छापेमारी के बाद वहां पर हड़कंप मच गया।

बता दें कि कृषि विभाग कार्यालय में किसानों के कार्य नहीं होने तथा अन्य अनियमितता की जानकारी मिल रही थी। इसके बाद मुख्यमंत्री उड़न दस्ता की टीम ने रेवाड़ी रोड स्थित कृषि विभाग के कार्यालय में छापेमारी की। इसमें सीएम फ्लाइंग रेवाड़ी से असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर सचिन कुमार के अलावा सतर्कता विभाग से एएसआई नरेंद्र कुमार व जसवंत सिंह शामिल थे।

छापेमारी के दौरान खाद बीज की दुकानों से सैंपल लेने का सरकार की ओर से जो टारगेट दिया गया था वह विभाग द्वारा पूरा नहीं किया हुआ पाया गया। वहीं सीएम विंडो व जनसंवाद की 118 शिकायतों पर विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं किया जाना पाया गया। इस छापेमारी में दौरान विभाग के प्रोजेक्ट ऑफीसर नरेश कुमार भी अनुपस्थित मिले। इन सब अनियमितताओं की शिकायत टीम ने नोट कर उच्च अधिकारियों को भेज दी है। इस दौरान टीम ने मौके पर मौजूद किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को जाना।

कम्प्यूटर प्रोफेशनल्ज की हड़ताल जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

कम्प्यूटर प्रोफेशनल का धरना लघु सचिवालय में कार्यकारी अध्यक्ष विकास यादव व प्रधान प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। उन्होंने बताया कि वीरवार को करनाल में मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के बाद उन्होंने मौखिक आश्वासन दिया। जिस पर यूनियन ने लिखित में आश्वासन देने के लिए कहा तो उन्होंने बैठक के लिए समय दिया।

जिस पर प्रदेश कार्यकारिणी ने निर्णय लिया कि जब तक लिखित में आश्वाशन नहीं मिलता है, धरना समाप्त नहीं करेंगे। इस अवसर पर क्लेरिकल एसोसिएशन ने कम्प्यूटर प्रोफेशनल संघ को अपना समर्थन दिया। इस मौके पर विकास यादव, प्रवीण कुमार, कविराज, विजय यादव, धर्मपाल, रमेश, राजीव शर्मा, सुंदरलाल, कपिल कुमार, स्नेहा, प्रेमलता, रेखा, नेहा सैनी, उषा यादव, निशा यादव, ममता यादव, सूची यादव आदि थे।

नारनौल। लघु सचिवालय में धरने पर बैठे कम्प्यूटर प्रोफेशनल। फोटो: हरिभूमि

नारनौल बार के पूर्व सचिव 46 वर्षीय अनंत यादव की हार्ट अटैक से मौत

नारनौल। जिला मुख्यालय स्थित कोर्ट में बतौर अधिवक्ता प्रेक्टिस कर रहे कुलताजपुर रोड निवासी एवं नारनौल बार के पूर्व सचिव करीब 46 वर्षीय अनंत यादव एडवोकेट की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। हालांकि परिजन इसे साइलेंट हार्ट अटैक आया मानकर चल रहे हैं, लेकिन फिर भी परिजनों ने उन्हें उपचार के लिए शहर के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वह बच नहीं सके। बाद में नागरिक अस्पताल ले जाकर पुलिस की मौजूदगी में उनके शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हो पाएगी।

मृतक के भाई आकाश यादव ने बताया कि रोजाना की तरह उनके भाई वीरवार सुबह करीब पांच बजे जगे थे और फ्रैश होने के बाद जब वह प्लाट की सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे। तब अचानक गिर पड़े। प्लाट में पौधे लगा रखे हैं, जिन्हें वह देखने जा रहे थे। फिर उन्हें उपचार के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित करते हुए उन्हें नागरिक अस्पताल ले जाने की बात कही। तत्पश्चात पुलिस को सूचित किया गया और आवश्क कार्रवाई करने उपरांत शव का पोस्टमार्टम कराया गया। वह अपने पीछे तीन बच्चे छोड़ गए हैं, जिनमें से बड़ी बिटिया एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा है, जबकि दो जुड़वा बेटे बारहवीं में पढ़ रहे हैं। इस दुखद घटना से परिवार में मातम छाया हुआ है।

शोक की लहर बजाड़ में गमगीन माहौल में किया अंतिम संस्कार

विधायक के इकलौते बेटे उमेश यादव का निधन, लीवर में कैंसर की बीमारी से था ग्रस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

विधानसभा विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव के बेटे उमेश यादव का शुक्रवार को निधन हो गया। उमेश यादव का निधन का समाचार सुनकर उनके विधानसभा क्षेत्र व जिले में उनके समर्थकों में शोक की लहर दौड़ गई। उमेश यादव का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव बजाड़ में किया गया। उनकी चिता को मुखाग्नि उनके पुत्र दक्ष व भवी यादव ने दी।

पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव के बेटे 44 वर्षीय उमेश उर्फ टीनू पिछले काफी लंबे समय से लीवर में कैंसर की बीमारी से पीड़ित थे। उन्होंने शहर के मेट्रो हॉस्पिटल में शुक्रवार प्रातः आठ बजे अंतिम सांस ली। स्व. उमेश यादव के अंतिम संस्कार के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा ने दूरभाष पर पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव से बात कर शोक जताया तथा उनका ढाढ़स बधाया।

नारनौल। पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव को अंतिम संस्कार के अवसर पर ढाढ़स बधाते मंत्री अभय सिंह यादव, विधायक सीताराम यादव व अन्य। फोटो: हरिभूमि

उनकी अंतिम संस्कार में सिंचाई मंत्री अभय सिंह यादव, पूर्व मुख्यमंत्री स्व. राव बीरेंद्र सिंह के पोते राव अभिजीत यादव, अटेली विधायक सीताराम यादव, पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा के बेटे गौतम शर्मा, रेवाड़ी के पूर्व विधायक रणधीर कापडीवास, पूर्व मंत्री पंडित कैलाश शर्मा, राकेश शर्मा एडवोकेट, सेवानिवृत आईएएस विनय यादव, सेवानिवृत आईजी सुभाष यादव, सेवानिवृत्त सेशन जज राकेश यादव, पीआरओ राजेश यादव, डा. जेपी यादव लावन, सेवानिवृत्त वन अधिकारी धर्मबीर यादव झूक, संदीप यादव नीरपुर, डा. अरविंद यादव, पूर्व जिला पार्षद विनोद भील, प्रो. प्रवीण यादव सिगडा, आरपीएस ग्रुप के चेयरमैन मनीष राव, वैध किशन वशिष्ठ, छोटेलाल चेयरमैन, नगर परिषद उपप्रधान संजीव यादव, नगर परिषद के पूर्व उपप्रधान राजेंद्र यादव, सुरेंद्र नंबरदार, वासुदेव यादव, सत्यव्रत शास्त्री, मनोज सेकवाल, सतीश बबली सिहार, राजू कमानिया सहित अनेक समर्थक मौजूद रहे।

भूजल व्यवस्था सुधार व सुदृढ़ीकरण का काम अंतिम चरण में, सरकार ने विभिन्न गांवों के लिए जल भंडार किए मंजूर

- भुंगारका, सिरोही बहाली, बनिहाड़ी, गोठड़ी, ढाणी बिशना गोद व बलाहा कलां गांवों को होगा सीधा फायदा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा के सिंचाई व जल संसाधन मंत्री डा. अभय सिंह यादव ने सिंचाई विभाग की ओर से महेंद्रगढ़ जिले में पिछले कई वर्षों से भूजल सुधार कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह योजना अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। भूजल सुधारीकरण की इस योजना का खाका वर्ष 2015 के अंत में तैयार हुआ था, जब उन्होंने हथिनी कुण्ड से नारनौल तक पश्चिमी यमुना नहर के साथ यात्रा के दौरान उक्त नहर के गहन निरीक्षण के बाद अपनी एक विस्तृत रिपोर्ट में मुख्यमंत्री हरियाणा को मूल रूप से यह प्रस्ताव दिया था कि इस जिले की जल व्यवस्था में सुधार करने के लिए इस जिले के बीचोंबीच बहने वाली कृष्णावती एवं दोहान नदियों को पुनर्जीवित करना न केवल आवश्यक है, अपितु यह इस जिले की जल व्यवस्था के पुनर्जन्म जैसा होगा। यह सत्य है कि जब नदियां जीवित थी तब इलाके में जल व्यवस्था लबालब थी, लेकिन जब नदियां सूख गई तो इलाका भी सूख गया। सिंचाई विभाग द्वारा नदियों को नहर से जोड़ने का काम प्रारंभ हुआ और इसके तहत दोहान और कृष्णावती नदियों को दर्जनों जगह पर नहर से जोड़ा गया, लेकिन क्षेत्रों में नदी के अंतिम छोर अभी इससे दूर थे।

इसी कमी को पूरा करने के लिए अब कृष्णावती नदी को नारनौल ब्रांच मुख्य नहर से जोड़ने के लिए राता कला एवं मानपुरा गांव के पास 50 क्यूसेक क्षमता की दो बड़ी पाइप लाइन सरकार की ओर से मंजूर की गई है। जिनके द्वारा वर्षा ऋतु में उपलब्ध होने वाला पानी नदियों में छोड़ा जाएगा। इसके अतिरिक्त दोहान नदी को केन्द्रीय विश्वविद्यालय पाली के पास भी नहर से जोड़ा जा रहा है। इस प्रकार से दोहान नदी राजस्थान सीमा से लेकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली तक अनेक स्थानों पर नहर से जुड़ गई है। दूसरी तरफ कृष्णावती नदी को भी भेडंटी दोस्तपुर सीमा से मानपुरा तक पूरी नदी नहर से जोड़ दी गई है। यादव ने बताया कि हाल ही में सरकार की ओर से मंजूर किए गए विभिन्न गांवों के जल भंडार का टेंडर भी प्राप्त हो चुका है।

टेंडर की मंजूरी के तुरंत बाद इन पर काम प्रारंभ हो जाएगा। इनमें मुख्य रूप से भुंगारका, सिरोही बहाली, बनिहाड़ी, गोठड़ी, ढाणी बिशना, गोद एवं बलाहा कलां सम्मलित हैं। उन्होंने कहा कि चार एकड़ क्षेत्र में बनने वाला प्रत्येक टैंक रबी की फसल में लगभग 300 एकड़ जमीन की सिंचाई करेगा। यह जल भंडार राजस्थान बॉर्डर पर स्थित गांवों में रबी की फसल के लिए सर्दियों में पानी की कमी पूरा करने के लिए बनाए गए हैं। जल भंडार की यह योजना बिना किसी भेदभाव के सरकार की सबका साथ सबका विकास की नीति को धरातल पर लागू करने वाली है।

टेंडर की मंजूरी के तुरंत बाद शुरू होगा काम

- महेंद्रगढ़ जिले में सिंचाई व भूजल रिचार्ज की महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम शुरू: डा. अभय सिंह यादव

चीता दुनिया का सबसे तेज़ ज़मीनी जानवर है, जो 112 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से दौड़ सकता है।

दुनिया में पक्षियों की 9,500 से ज़्यादा प्रजातियां हैं। दुनिया का एकमात्र पंखहीन पक्षी कीवी है।

हिंदी भाषा पसंद है तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

भारत में हिन्दी सबसे महत्वपूर्ण भाषा है। यह भारत की 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है और राज्य भाषा का अधिकार रखती है। संसदीय कार्य से लेकर न्यायिक और सरकारी संस्थानों में इसे ऑफिशियल कम्युनिकेशन की तरह उपयोग किया जाता है। हिंदी विश्व स्तर पर तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है, जिसमें लगभग 425 मिलियन लोग इसे अपनी पहली भाषा के रूप में पहचानते हैं और अतिरिक्त 120 मिलियन लोग हिंदी को दूसरी भाषा के रूप में बोलते हैं। हिंदी के क्षेत्र में कई बेहतरीन करियर ऑप्शन मौजूद हैं। इस फील्ड में भी अच्छा करियर बनाया जा सकता है।

ये करियर ऑप्शन

राजभाषा ऑफिसर

ये राष्ट्रीयकृत बैंकिंग संस्थानों में राजभाषा ऑफिसर के रूप में कार्य करते हैं। उनकी नियुक्ति बैंक की सभी शाखाओं में होती है। इनकी प्राथमिक भूमिका ग्राहकों की मदद करने के अलावा रोज के कामों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देना है। वे विभिन्न आधिकारिक दस्तावेजों का हिंदी में अनुवाद भी करते हैं।

जर्नलिज्म

अगर आप ने हिंदी भाषा में जर्नलिज्म का कोर्स किया है तो आप पत्रकारिता के क्षेत्र में एंकर, न्यूज एडिटर, न्यूज राइटर और रिपोर्टर आदि जैसे कई जॉब प्रोफाइल पर रहकर अच्छी सैलरी हासिल कर सकते हैं। यहां पर आपको न्यूजपेपर, रेडियो चैनलों, समाचार चैनलों, पत्रिकाओं और डिजिटल समाचार मीडिया जैसे कई करियर ऑप्शन मिल जाएंगे।

कंटेंट राइटर/एडिटर

आज के समय में कंटेंट राइटर या एडिटर की जॉब को बेहतर विकल्प माना जाता है। इनका काम ब्लॉग लिखना, मार्केटिंग कॉपी, सोशल मीडिया कॉपी आदि लिखना व उसको एडिट करना होता है। हिंदी या मास कम्युनिकेशन में डिग्री होल्डर्स आसानी से हिंदी कंटेंट राइटर/एडिटर के रूप में अपना करियर बना सकते हैं। कंटेंट राइटर और एडिटर्स पब्लिकेशन हाउस और मीडिया हाउस व एड एजेंसी में काम कर सकते हैं।

यहां मिलेगा मौका

ट्रांसलेटर

आज जिस तरह से पूरा विश्व का एकीकरण हो रहा है उसमें हिंदी ट्रांसलेटर के लिए करियर के नए रास्ते खुल गए हैं। इस फील्ड में अब काम की कोई कमी नहीं है। हिंदी ट्रांसलेटर के तौर पर आप घर पर बैठकर भी काम कर सकते हैं। हालांकि एक बेहतरीन ट्रांसलेटर बनने के लिए आपकी हिंदी के साथ दूसरी भाषा पर भी अच्छी पकड़ होनी चाहिए। कई बड़ी कंपनियां भी अपने कंटेंट को हिंदी में मुहैया कराने के लिए ट्रांसलेटर को नियुक्त करती हैं।

इंटरप्रिटेशन

इंटरप्रेटर का काम भी ट्रांसलेटर की तरह एक लैंग्वेज का दूसरे लैंग्वेज में अनुवाद करना होता है। हालांकि इंटरप्रेटर लिखकर नहीं बल्कि बोलकर यह काम करते है। एक इंटरप्रेटर उन शब्दों को ट्रांसलेट करता है, जो दूसरा व्यक्ति अलग भाषा में कहता है। आप इंटरप्रेटर के तौर पर राजनयिक मिशनों, संयुक्त राष्ट्र और विदेशी छात्रों के साथ काम कर सकते हैं।

वॉयस ओवर आर्टिस्ट

एंटरटेनमेंट की दुनिया आज बहुत व्यापक हो गई है। हर माह कई विदेशी फिल्में व कार्टून भारत में लांच हो रही हैं। यदि आप में बोलने का स्किल और अच्छी आवाज है, तो आप वॉयस-ओवर को करियर ऑप्शन के रूप में अपना सकते हैं। वॉयस-ओवर कलाकारों की फिल्मों के अलावा रेडियो स्टेशनों, पॉडकास्ट, विज्ञापनों की डबिंग में काफी डिमांड रहती है।

हिंदी टाइपिस्ट/हिंदी स्टेनोग्राफर

हिंदी स्टेनोग्राफर और टाइपिस्ट की डिमांड कई दशकों से बनी हुई है। खास तौर पर सरकारी क्षेत्र में निकलने वाली जॉब में। हिंदी टाइपिंग और स्टेनोग्राफर का कोर्स कर आप अच्छी सैलरी के साथ सरकारी जॉब पा सकते हैं। इसके अलावा प्राइवेट सेक्टर में भी आप अच्छी तनख्वाह पर नौकरी पा सकते हैं।

स्पीच राइटर

अगर आप में लिखने की क्षमता है तो आप स्पीच राइटर बन सकते हैं। स्पीच लोगों को प्रभावित करने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका है। सम्मोहक स्पीच लिखने के लिए लैंग्वेज पर कंट्रोल की जरूरत होती है। अगर आपमें ये काबिलियत है तो आप किसी राजनीतिक पार्टी के साथ जुड़कर स्पीच राइटर बन सकते हैं। वहीं सरकारी क्षेत्र, विज्ञापन एजेंसियों, कॉर्पोरेट में काम भी इनके लिए दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं।

नॉवलिस्ट/राइटर/ पोएट

अगर आप को नए तरीके से क्रिएटिव स्टोरी लिखना आता है तो आप हिंदी भाषा में नॉलेज हासिल करने के बाद पोएट/नॉवलिस्ट/राइटर बन सकते हैं। आज के समय में ऑडियोबुक, किंडल सपोर्टिड ई-बुक्स के राइज ने इस फील्ड में लोगों के करियर को एक नया आयाम दिया है।

हिंदी टीचर

हिंदी टीचर की जॉब सदाबहार ऑप्शन है। टीचर बनना सभी को पसंद होता है। अरग आपकी हिंदी में अच्छी पकड़ है तो आप किसी भी सरकारी और निजी शिक्षण संस्थान में हिंदी टीचर के तौर पर जॉब कर सकते हैं।

राइटिंग

हिन्दी में अच्छी पकड़ रखने वाले लोगों का फिल्म जगत और टेलीविजन के क्षेत्र में खासी डिमांड होती है। आज के समय में ओटीटी प्लेटफार्म के आने से इस क्षेत्र के करियर स्कोप बढ़ गया है। अगर आप हिन्दी में अच्छे हैं तो आप प्रॉडक्शन हाउस, मीडिया हाउस में स्क्रिप्ट राइटिंग, डायलॉग्स या लिरिक्स भी लिख सकते हैं। लेकिन अगर आप स्क्रीन राइटर बनना चाहते हैं तो आपको बीए हिन्दी करने के बाद स्क्रीन राइटिंग कोर्स में पोस्ट ग्रेजुएशन करनी होगी ताकि आपके भीतर लेखन की अच्छी समझ विकसित हो सके।

अध्यापक

हिंदी को पूरा करने के बाद क्लासिक और लोकप्रिय करियर विकल्पों में से एक अध्यापक बनकर आने वाली पीढ़ियों को भाषा का ज्ञान और क्षमता प्रदान करना है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी की लोकप्रियता बढ़ने के साथ-साथ भारत से बाहर के छात्रों को हिंदी सिखाने के अवसर भी हैं।

बहुत कम निवेश में अच्छी आय प्राप्त कर सकते हैं युवा

पारम्परिक खेती से अलग, अर्बन फार्मिंग में करियर को दें उड़ान

लीक से हटकर इस क्षेत्र में करियर बनाने का बेहतर मौका

जॉब ट्रेंड्स

डॉ. मोहित बंसल, करियर कोच

घटती कृषि भूमि और पारम्परिक खेती में नुकसान के कारण किसानों को जहां आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। वहीं, फसलों का उत्पादन भी कम हो रहा है। किसान लगातार कृषि व्यवसाय से विमुख होता जा रहा है। ऐसे में युवाओं के लिए अर्बन फार्मिंग (शहरी कृषि) एक नए और कम प्रतिस्पर्धा वाले करियर विकल्प के रूप में उभरकर सामने आ रहा है। सामान्य करियर से अलग आज एक अर्बन फार्मर बहुत कम समय और बहुत कम निवेश में अच्छी आय के साथ अपने करियर को चमका सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे की अर्बन फार्मिंग क्या है, इसे कैसे किया जा सकता है और यह युवाओं के करियर को कैसे उड़ान दे सकती है यानी इसके जरिये कम खर्च में कितना मुनाफा कमाया जा सकता है।

शहरी क्षेत्र में फसलों, सब्जियों, जड़ी-बूटियों की खेती है अर्बन फार्मिंग

वेतन और आय

अर्बन फार्मर की आय या वेतन विभिन्न कारणों पर निर्भर कर सकती है, जैसे कि उनके कृषि प्रयासों का मात्रा, शहरी क्षेत्र की स्थिति, और उपयुक्तता। अर्बन फार्मिंग एक व्यापारिक विचार के रूप में देखी जा सकती है, जिसमें फसलों के उत्पादन और विपणन से आय प्राप्त की जाती है। इसके अलावा, अर्बन फार्मिंग परियोजनाओं के लिए सरकारी समर्थन भी हो सकता है, जिससे आय के स्रोत में सुधार हो सकता है।

क्या है अर्बन फार्मिंग

एक अर्बन फार्मर वह व्यक्ति होता है जो शहरी या उपनगरीय वातावरण में फसलों, सब्जियों, जड़ी-बूटियों की खेती करता है और पशुओं को पालता है। पारंपरिक खेती के विपरीत, जो अक्सर विशाल खेतों वाले ग्रामीण क्षेत्रों में होती है,

अर्बन फार्मिंग छोटे, अधिक सीमित स्थानों जैसे छतों, बालकनियों, खाली स्थानों या सामुदायिक उद्यानों में हो सकती है। अर्बन फार्मर सीमित स्थान और संसाधनों में अपनी उपज को अधिकतम करने के लिए ऊर्ध्वाधर खेती, हाइड्रोपोनिक्स या एक्वापोनिक्स जैसी नवीन तकनीक अपनाकर खेती करता है। अर्बन फार्मर स्थानीय खाद्य उत्पादन को बढ़ावा देने, शहरों में खाद्य सुरक्षा बढ़ाने, सामुदायिक जुड़ाव और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाते हैं।

अर्बन फार्मिंग के फायदे

भूमि का अकाल : शहरों में भूमि की कमी होती है, इसलिए अर्बन फार्मिंग छतों, बालकनियों, और अन्य छोटे खुले स्थानों में की जा सकती है, जिससे खेती के लिए अधिक स्थान मिलता है।

स्वास्थ्यप्रद खाद्य पदार्थ: शहरी क्षेत्रों में उत्पादित फल, सब्जियां और अन्य खाद्य पदार्थ स्वास्थ्य के लिए अधिक अच्छे माने जाते हैं, क्योंकि वे अक्सर स्थानिक और निर्मल वातावरण में पैदा होते हैं।

पर्यावरण सुरक्षा : अर्बन फार्मिंग सुस्त और पर्यावरणीय रूप से बेहतर समझी जाती है। इससे शहरों में पर्यावरण को भी लाभ होता है।

तकनीकी : इसमें वर्टिकल, हाइड्रोपोनिक्स, और एक्वापोनिक्स तकनीक को प्रयोग होता है।

सिमित संसाधन : यह खेती सीमित स्थान और संसाधनों के साथ संभव होने के कारण, इसमें संसाधनों का समुचित प्रबंधन और उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है।

कौशल और अनुभव

अर्बन फार्मिंग के क्षेत्र में काम करने के लिए कौशल और अनुभव होना जरूरी है। जो विभिन्न तकनीकों को अनुसरण करने और समस्याओं का समाधान करने में मदद करता है। इसके लिए अपने शहरी क्षेत्र में स्थानिक समुदाय बागवानी या कृषि परियोजनाओं में शामिल हों। इससे आप अर्बन फार्मिंग के अलग-अलग पहलुओं को सीख सकते हैं और अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

शुरुआती खेती : किसी भी छोटे स्थान जैसे छत, बालकनी या समुदाय बागवानी पर खेती की योजना बनाएं। यह योजना कौन सी फसलें उगाने के लिए उपयुक्त होगी, संसाधनों की आवश्यकता क्या होगी आदि के बारे में जानकारी लें। खेती को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न तकनीकों का प्रयोग करें। इसमें जलवायु नियंत्रण, खाद्य सुरक्षा की देखभाल और उपयुक्त प्रबंधन शामिल हो सकते हैं। अर्बन फार्मिंग प्रोजेक्ट के लिए सामुदायिक सहयोग और व्यापारिक योजना बनाएं। इसके माध्यम से, आप एक अर्बन फार्मर बनने के लिए आवश्यक योग्यता, ज्ञान और अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

शिक्षा और प्रशिक्षण

इसे प्रोफेशनली अपनाने के लिए आपको 12वीं कक्षा विज्ञान विषय के साथ पास करनी होगी। इसके बाद स्नातक कृषि के कोर्सेज जैसे बीएससी एग्रीकल्चर, हॉर्टिकल्चर, फॉरेस्ट्री, या एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग से करनी होगी। पढ़ाई के साथ-साथ वर्टिकल फार्मिंग, हाइड्रोपोनिक्स, एक्वापोनिक्स जैसी विभिन्न तकनीकों को अच्छे समझें और हुनरमंद बनें। इस व्यवसाय में आपको सीमित संसाधनों (पानी, ऊर्जा, और कीमती स्थान) के उपयोग की क्षमता और स्थानिक भूमि, जल और मौसम की जानकारी लेनी होगी।

यहां से मिलेगा प्रशिक्षण : अर्बन फार्मिंग की शिक्षा के लिए कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (एमएएनएजीई), केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान (सीआईएई), केंद्रीय बागवानी संस्थान (सीआईएच), केंद्रीय पश्चात्र अनुसंधान और प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईपीएचईटी), और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआआई) जैसे कुछ विख्यात सरकारी संस्थान हैं जो अर्बन फार्मिंग और कृषि से संबंधित पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। विभिन्न सरकारी संस्थानों की शुल्क संरचना अलग-अलग है। यह विभागों और पाठ्यक्रमों के आधार पर भी भिन्न हो सकती है। अधिक जानकारी के लिए संबंधित संस्थानों की आधिकारिक वेबसाइट को विजिट करें या सीधे संपर्क करें। आम तौर पर ऐसे कोर्सेज तीन से चार साल में होते हैं। कई ऑनलाइन प्लेटफार्म्स भी है जो अर्बन फार्मिंग से संबंधित पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। ये कोर्स ऑनलाइन वीडियो, पीपीटी, और अन्य साधनों का उपयोग करके आपको अर्बन फार्मिंग की विभिन्न तकनीकों की शिक्षा देते हैं।

निजी उद्योग में करियर

- निजी उद्योग में अर्बन फार्मिंग में करियर के अनेक और विविध अवसर हैं जो आपको निजी उद्योग में मिल सकते हैं। यहां कुछ मुख्य करियर विकल्प हैं जो अर्बन फार्मिंग के क्षेत्र में आपका करियर बना सकते हैं।
- **उत्पादों का वितरण और विपणन**: आप अर्बन फार्मिंग के उत्पादों के वितरण और विपणन में करियर बना सकते हैं, जिसमें उत्पादों को बाजार में ला कर उनका विपणन करना शामिल होता है।
- **प्रौद्योगिकी विकास** : अर्बन फार्मिंग प्रौद्योगिकी के विकास और अनुसंधान में करियर के अवसर हो सकते हैं, जिसमें नई तकनीकों का अनुसंधान और उनका विकास शामिल होता है।
- **उत्पादकता बढ़ाना** : शहरी क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ाने और उत्पादन संभालने में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं, जैसे कि वर्टिकल फार्मिंग, हाइड्रोपोनिक्स, और एक्वापोनिक्स की मदद से।
- **अर्बन फार्मिंग कंसल्टेंसी** : अर्बन फार्मिंग कंसल्टेंसी सेवाएं प्रदान करके उत्पादकों और समुदायों को अर्बन फार्मिंग पर सलाह देने में करियर बना सकते हैं।
- **अर्बन फार्मिंग स्टार्टअप** : अर्बन फार्मिंग से संबंधित अपनी खुद की स्टार्टअप कंपनी शुरू कर सकते हैं, जिसमें नए उत्पादकता मॉडल्स, तकनीकी उपकरणों और उत्पादों का विकास और विपणन शामिल है।
- **अर्बन फार्मर** को नौकरी प्रदान करने वाली निजी कंपनियों में कुछ क्षेत्रिय और विशेषाधिकारी कंपनियां भी शामिल हैं।

सरकारी क्षेत्र में करियर

- **कृषि विभाग** : राज्य और केंद्र सरकार के कृषि विभाग में अर्बन फार्मिंग से संबंधित पदों पर नौकरियां निकलती हैं। इसमें अर्बन फार्मिंग परियोजनाओं के लिए तकनीकी सलाहकार, विशेषज्ञ, उत्पादन प्रबंधक के पद शामिल हैं।
- **वन विभाग**: शहरी क्षेत्रों में वन विभाग में शहरी वनीकरण और वृक्षारोपण से संबंधित पदों पर नौकरियां मिलती हैं।
- **स्थानीय निकाय** : नगर निगम और नगर पालिकाओं में अर्बन फार्मिंग परियोजनाओं के लिए पदों पर नौकरियां मिल सकती हैं। जैसे अर्बन फार्मिंग कंसल्टेंट, परियोजना प्रबंधक, आदि।
- **संगठन और संस्थान** : विभिन्न सरकारी और असरकारी संगठन और संस्थान जैसे कि कृषि उत्पाद प्रसंस्करण संस्थान, शहरी विकास निगम में भी नौकरियां हो सकती हैं।
- इन सरकारी संगठनों में अर्बन फार्मिंग से संबंधित विभिन्न पदों के लिए अलग-अलग पात्रता मानदंड और चयन प्रक्रिया होती है। आधिकारिक वेबसाइट पर जानकारी लें।

योजनाओं में देरी से भी मिल सकती है दक्षता और समय प्रबंधन की शिक्षाएं

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

जीवन में देरी का होना एक सामान्य और अवश्यंभावी घटना है। हम सभी ने कभी न कभी अपनी योजनाओं में देरी का सामना किया है, चाहे वह परीक्षा की तैयारी हो, किसी प्रोजेक्ट की समय सीमा हो, या फिर रोजमर्रा के छोटे-मोटे काम हों। देरी को अक्सर नकारात्मक दृष्टि से देखा जाता है, लेकिन अगर हम इसके पीछे छिपे सबक और लाभ को समझें, तो यह हमें दक्षता और समय प्रबंधन की महत्वपूर्ण शिक्षाए दे सकती है। हम सभी ने कभी न कभी टोस्ट बनाने का अनुभव किया होगा। टोस्ट को सही समय पर तवे से उतारना आवश्यक होता है, वरना वह जल जाता है और खाने योग्य नहीं रहता। इसी तरह, हमारे जीवन में भी समय का सही प्रबंधन आवश्यक होता है।

समय का बेहतर उपयोग करें

जलती हुई टोस्ट की थ्योरी यह बताती है कि समय का सही उपयोग न करने पर हमारे कार्य और योजनाएँ असफल हो सकती हैं। लेकिन इसके विपरीत, जब हम देरी का सामना करते हैं और उससे सीखते हैं, तो हम अपनी गलतियों से सबक लेकर अपने भविष्य के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर सकते हैं।

देरी का सामना और उससे मिलने वाले सबक: जब भी हम किसी देरी का सामना करते हैं, तो यह हमारे लिए एक मौका होता है कि हम अपने समय प्रबंधन के तरीकों को सुधार सकें। उदाहरण के लिए, यदि किसी विद्यार्थी को परीक्षा की तैयारी में देरी होती है, तो यह उसे सिखा सकता है कि अगले बार वह अपनी पढ़ाई की योजना पहले से ही बना ले और समय का बेहतर उपयोग करे। देरी हमें सिखाती है कि कैसे प्राथमिकताएँ निर्धारित करें और अनावश्यक गतिविधियों को हटाकर मुख्य कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। विद्यार्थी देरी को एक नए प्रयास के रूप में देख सकते हैं, जिससे वे अधिक परिपूर्णता की ओर बढ़ सकते हैं। जब किसी कारणवश परीक्षा की तैयारी में देरी होती है या किसी प्रोजेक्ट की समय सीमा चूक जाती है, तो इसे असफलता के रूप में देखने की बजाय एक अवसर के रूप में लेना चाहिए। यह देरी उन्हें अपने कमजोरियों को पहचानने और अपने कौशल को और अधिक निखारने का मौका देती है। हर बार जब हम अपने कार्यों में सुधार करने का प्रयास करते हैं, तो हम न केवल अपनी गलतियों से सीखते हैं, बल्कि अपने प्रदर्शन में भी उत्तमता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार, देरी को एक रि-अटेम्प्ट के रूप में देखते हुए, विद्यार्थी अधिक बेहतर योजना बना सकते हैं, अपनी तैयारी को और मजबूती से कर सकते हैं, और अंततः सफलता की ओर बढ़ सकते हैं।

विद्यार्थियों के लिए देरी को एक नए प्रयास के रूप में लेने के कुछ महत्वपूर्ण बिंदु निम्नलिखितः

समय प्रबंधन: देरी हमें समय की महत्ता सिखाती है। जब हम देरी का सामना करते हैं, तो हमें अपने समय का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ता है और यह जानना पड़ता है कि कहाँ-कहाँ हमने समय का अपव्यय किया।

सही प्राथमिकताएं: देरी के कारण हमें अपने कार्यों की प्राथमिकताओं को फिर से निर्धारित करना पड़ता है। यह हमें सिखाता है कि कौन-से कार्य अधिक महत्वपूर्ण हैं और किन्हें पहले पूरा करना चाहिए।

सही समय का इंतजार करें

धैर्य और संयम: देरी हमें धैर्य रखना सिखाती है। जब हम किसी काम में देरी का सामना करते हैं, तो यह हमें शांत रहने और सही समय का इंतजार करने का सबक देती है।

समस्या समाधान कौशल: जब हम देरी का सामना करते हैं, तो हमें विभिन्न समस्याओं का समाधान खोजना पड़ता है। यह हमारे समस्या समाधान कौशल को बढ़ाता है और हमें अधिक सृजनात्मक बनाता है।

आत्मविश्लेषण: देरी हमें अपने आप का विश्लेषण करने का मौका देती है। यह हमें हमारे कमजोरियों और ताकतों का पता लगाने में मदद करती है, जिससे हम अपने आप को बेहतर बना सकते हैं। जीवन में देरी का होना एक अवश्यंभावी घटना है, जिसे हमें नकारात्मक दृष्टि से नहीं देखना चाहिए। इसके बजाय, हमें इसे एक अवसर के रूप में लेना चाहिए, जो हमें दक्षता और समय प्रबंधन की महत्वपूर्ण शिक्षाएँ देती है। जलती हुई टोस्ट की थ्योरी के माध्यम से हम समझ सकते हैं कि समय का सही उपयोग कितना महत्वपूर्ण है और देरी हमें किस प्रकार से सुधारने का अवसर प्रदान करती है। इसलिए, हर देरी को एक सबक मानें और उससे सीखें, ताकि आप अपने जीवन को और अधिक कुशल और प्रभावी बना सकें।

देरीः विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा : जीवन में देरी केवल एक बाधा नहीं है, बल्कि यह हमारे विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब हम किसी कार्य में देरी का सामना करते हैं, तो हमें उसे एक अनुभव के रूप में स्वीकार करना चाहिए। यह अनुभव हमें सिखाता है कि कैसे हम अपनी योजनाओं को बेहतर बना सकते हैं और समय का अधिक कुशलता से उपयोग कर सकते हैं। हर देरी एक नया सबक लाती है। यह हमें हमारे कमजोरियों को पहचानने का मौका देती है और हमें सिखाती है कि हमें किस प्रकार से अगले बार बेहतर तैयारी करनी चाहिए। इस प्रकार, देरी को एक अवसर के रूप में देखना न केवल हमें निराश नहीं होने देता, बल्कि हमें आगे बढ़ने और अपने भविष्य को और बेहतर बनाने में मदद करता है।

सामान्य ज्ञान

1. निम्नलिखित में से वह सागर कौन - सा है, जो भू-बद्ध है ?
(ए) लाल सागर
(बी) तिमोर सागर
(सी) उतरी सागर
(डी) अरल सागर

2. अफ्रीका महाद्वीप की सबसे बड़ी झील है -
(ए) विक्टोरिया
(बी) न्यासा
(सी) टंगानिका
(डी) चाड

3. निम्नलिखित में से कौन - सा युग्म गलत है ?
(ए) ग्रेट बीयर - कनाडा
(बी) मिशिगन - यू. एस. ए.
(सी) ओनेगा - ऑस्ट्रेलिया
(डी) टिटिकाका - पेरू-बोलीविया

4. निम्नलिखित में से कौन ईरान की सीमा को स्पर्श करता है ?
(ए) कैस्पियन सागर
(बी) अरल सागर
(सी) बाल्खश झील
(डी) बैकाल झील

5. निम्नलिखित में से किसको 'पर्ल ऑफ़ साइबेरिया' कहा जाता है ?
(ए) बैकाल झील
(बी) ग्रेट वीयर झील
(सी) करदा झील
(डी) लिंकनबर झील

6. किस देश की सीमा कैस्पियन झील से नहीं मिलती है ?
(ए) अजरबैजान
(बी) रूस
(सी) यूक्रेन
(डी) तुर्कमेनिस्तान

7. टान्ले सेप नाम झील निम्नलिखित में से किस देश में स्थित है ?
(ए) थाईलैंड
(बी) कम्बोडिया
(सी) इंडोनेशिया
(डी) लाओस

8. पृथ्वी पर सबसे गहरा स्थल है -
(ए) कैस्पियन सागर
(बी) काला सागर
(सी) मृत सागर
(डी) एजियन सागर

उत्तर 1.(डी) 2.(ए) 3.(सी) 4.(ए) 5.(ए) 6.(सी) 7.(बी) 8.(सी)

खबर संक्षेप

गोद स्कूल के मुख्य द्वार का उद्घाटन

नारनौल। राजकीय प्राथमिक पाठशाला गोद में मुख्य द्वार का निर्माण राजपाल ने अपने स्वर्गीय पिता रामस्वरूप की यादगार में करवाया है, जिसका उद्घाटन खंड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार शर्मा के कर-कमलों से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला पार्षद विनोद यादव (भील) ने की। बीईओ अशोक शर्मा ने मुख्यद्वार निर्माण की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्वर्गीय रामस्वरूप के बेटों ने उन्हें अमर बना दिया है।

स्वयंसेवकों ने चलाया सफाई अभियान

सतनाली मंडी। यदुवंशी शिक्षा निकेतन के एनएसएस विद्यार्थियों ने गांव पथरवा स्थित महान सिद्ध संत श्री बाबा चन्द्राईनाथ महाराज के मंदिर परिसर में सफाई अभियान चलाया व पौधारोपण किया। विद्यालय के प्राचार्य जितेंद्र कुमार ने कहा कि पथरवा स्थित श्री बाबा चन्द्राईनाथ महाराज का मंदिर इस क्षेत्र का प्रसिद्ध मंदिर हैं, उसमें आज विद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों ने सफाई अभियान चलाया व पौधारोपण किया। मंदिर के महंत व जिला पार्षद योगी वचनाई नाथ ने इस कार्य की सराहना की।

यदुवंशी में साइंस मैजिक शो का आयोजन

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में साइंस मैजिक शो का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा नौवीं व दसवीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस मैजिक शो में चार सदनों में से आठ टीमों का गठन किया गया। प्रत्येक टीम में चार चार विद्यार्थी थे, जिसमें दो नौवीं तथा दो दसवीं कक्षा के विद्यार्थी थे। यह पूरा मैजिक शो साइंस पर आधारित था। प्रत्येक टीम ने नए नए प्रयोग कर के दिखाए। इन प्रयोगों को देखकर सभी विद्यार्थी मंत्रमुग्ध हो गए। इस मैजिक शो में आर्यभट्ट सदन की टीम कुलदीप, रजत, खुशी, यशवी ने घनत्व का जादू जादू दर्पण और लेजर थर्माकोल का जमाव तथा गुरुतवाकर्षण के जादू के विरूद्ध पानी का ऊपर उठना के विषय में सभी विद्यार्थियों को बताया।

एनएचएम कर्मचारियों की गेट मीटिंग आयोजित

मंडी अटेली। कर्मचारी संघ नारनौल के अध्यक्ष डॉ. पुष्पेन्द्र केन्द्र अटेली व बाछौद में शुक्रवार को गेट मीटिंग का आयोजन किया गया। डॉ पुष्पेन्द्र ने बताया कि 14 जुलाई को स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की प्रदेश कार्यकारिणी की मीटिंग में निर्णय लिया गया है कि सरकार द्वारा एनएचएम कर्मचारियों की मांगों बारे 23 तक यदि कोई सकारात्मक कदम नही उठाया जाता है तो 24 जुलाई से तीन दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की जाएगी।

निजामपुर में की किसान महापंचायत में पहुंचने की अपील

तालकटोरा स्टेडियम में अखिल भारतीय किसान महापंचायत 23 सितंबर को

- किसानों की फसलों के दाम लागत से डेढ़ गुना देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

केंद्रीय भाजपा सरकार की एकाधिकार पूंजीपति परस्त व किसान विरोधी कृषि नीतियों के खिलाफ दिल्ली में अखिल भारतीय किसान महापंचायत तालकटोरा स्टेडियम में 23 सितंबर को होगी। जिसको लेकर जिला सचिव एआईकेकेएमएस डा. व्रतपाल सिंह ने महापंचायत में शामिल होने के लिए निजामपुर में जनसम्पर्क कर इस किसान महापंचायत में पंहुचने की अपील की। इस अवसर पर किसान संगठन एआईकेकेएमएस के जिला सचिव डा. व्रतपाल सिंह ने कहा कि देश के किसानों और खेत मजदूरों के हालात बेहद दयनीय हैं।

आज खेती न सिर्फ दिन पर दिन घाटे का सौदा होती जा रही है, बल्कि इससे किसान लगातार कर्ज के जाल में भी फंसते जा रहे हैं। किसानों को हमेशा ही फसलों के दामों में गिरावट के कुचक्र का सामना करना पड़ता है

नारनौल। जनसम्पर्क करते संगठन के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

और उन्हें अपनी उपज औने पौने दामों पर बेचनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि फार्मूले के तहत उत्पादन लागत के आधार पर एमएसपी देने की किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांग को अभी तक केंद्र की भाजपा सरकार ने कानूनी मान्यता नहीं दी है। बल्कि सरकार एमएसपी कानून बनाने से मुकर रही है, चूंकि बीज, खाद, कृषि उपकरण और मशीनरी जैसी कृषि उपयोगी चीजों के दामों कीमतों को एकाधिकार बड़े पूंजीपति नियंत्रित कर रहे हैं, इसलिए कृषि उत्पादन की लागत में अत्यधिक वृद्धि हुई है। परिणा मस्वरूप किसान कर्ज के जाल में फंसकर आत्महत्या करने को मजबूर हैं। किसान अपनी जमीन खो रहे हैं और खेत मजदूर बन रहे हैं, जबकि इन खेतिहर मजदूरों के पास गांव में कोई काम नहीं है। शहरों में भी काम नहीं है। इससे उनका जीवन भयानक रूप ले चुका है। इसलिए किसानों और खेतिहर मजदूरों के पास संघर्ष करने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के बार्डरों पर किसानों के 13 महीने लंबे वीरतापूर्ण संघर्ष को देखा है, जहां 750 किसानों ने अपने हितों की रक्षा में मौत को गले लगाया। ऐसे ऐतिहासिक किसान आन्दोलन से सीख लेकर संघर्ष की बुनियाद पर जन आंदोलन ही एकमात्र रास्ता है। हमारी मांगें बहुत ही सरल हैं। आवश्यक वस्तुओं का सम्पूर्ण व्यापार सरकार अपने हाथ में ले और किसानों की फसलों के दाम लागत से डेढ़ गुना दिया जाए तथा कृषि उपज को खरीदने के लिए एमएसपी को कानूनी दर्जा दिया जाए, उर्वरक और बीज आदि कृषि उपयोगी चीजों को सस्ती दरों पर उपलब्ध कराए जाए, ग्रामीण गरीबों को साल भर काम दिया जाए, पर्याप्त मजदूरी की गारंटी दी जाए, किसानों को कर्ज से मुक्ति और 60 वर्ष से अधिक उम्र के किसानों को पेंशन दी जाए, बिजली बिल 2023 को तुरंत खत्म किया जाए, प्राकृतिक आपदा से खराब हुई फसलों का मुआवजा सरकार अपने खजाने से दे, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से बहुराष्ट्रीय कंपनियों को बाहर किया जाए, भावांतर भरपाई योजना का किसानों का बकाया किसानों को शीघ्र किया जाए। इसके लिए एआईकेकेएमएस 23 सितंबर को तालकटोरा स्टेडियम नई दिल्ली में अखिल भारतीय किसान महापंचायत का आयोजन कर रहा है।

नारनौल। कर्मचारियों की बैठक लेते सर्व कर्मचारी संघ के नेतागण। फोटो: हरिभूमि

22 जुलाई को सर्व कर्मचारी संघ मांगों को लेकर करेगा जिला स्तरीय प्रदर्शन

नारनौल। सर्व कर्मचारी संघ के आह्वान पर नगर परिषद के कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान कौशल कुमार यादव ने की। बैठक में संघ के राज्य सचिव एवं नगर पालिका कर्मचारी संघ के राज्य कैशियर महेंद्र सिंह संगेलिया ने बताया कि भाजपा के नेतृत्व वाली हरियाणा सरकार के नौ साल के कार्यकाल में हरियाणा प्रदेश के कर्मचारियों के साथ लोक-लुभावन के सपने दिखाकर अनदेखी करती रही है, लेकिन अब इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसलिए सरकार को हरियाणा कौशल रोजगार निगम को भंग किया जाए। स्थाई काम पर अस्थाई भर्ती बंद की जाए। प्रदेश में लगे तमाम कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए। नगर पालिका कर्मचारियों की हाजिरी के लिए 311 ऐप बनाया गया है, उसको वापस लिया जाए। सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान कौशल कुमार यादव ने कहा कि 22 जुलाई को सर्व कर्मचारी संघ जिला स्तरीय प्रदर्शन करेगा। पंचायत भवन से लेकर लघु सचिवालय जाकर कर्मचारियों द्वारा उपायुक्त को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जाएगा। इसलिए जिलेभर के सभी कर्मचारियों से आह्वान है कि वे इस जिला स्तरीय प्रदर्शन में भाग लेने के लिए प्रातः 11 बजे पंचायत भवन पहुंचे। इस मौके पर महावीर प्रसाद, नीरज कुमार, रोशन, कमल कुमार, दौलतराम, आशु, जोगेंद्र सिंह, विक्की, जिला महासचिव राहुल सारवान आदि मौजूद थे।

सीएल स्कूल के विद्यार्थी प्रतियोगिता में अव्वल

नारनौल। हरियाणा सरकार की ओर से बाल भवन में विभिन्न प्रतियोगिताओं का ब्लॉक स्तर पर आयोजन किया गया। जिसमें नारनौल ब्लॉक की विभिन्न स्कूलों ने भाग लिया। जिसमें सीएल स्कूल के बच्चों ने अपनी पॉजिशन सुनिश्चित की और अगले स्तर के लिए क्वालिफाई किया। इसमें स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में जागृति पुत्री विरेन्द्र, नेहा पुत्री बलदेव, मोहित पुत्र कृष्ण ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम, धर्मांशु पुत्र सुरेश कुमार ने पॉवर पोइंट प्रजेनटेशन में प्रथम, सोनाली पुत्री विजय कुमार ने निबंध लेखन में द्वितीय स्थान, गितांशु पुत्र सुरेन्द्र व अन्नु पुत्री रणसिंह ने वाद विवाद में द्वितीय, महक पुत्री संदीप, दीया पुत्री हनुमान ने कविता गायन में तृतीय स्थान प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि पर प्राचार्य रविन्द्र सिंह ने सभी विजेता बच्चों को बधाई दी व अगली प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी।

लीगल लिटरेसी स्पर्धा में यदुवंशी थनवास का दबदबा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नांगल चौधरी स्थित ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आयोजित लीगल लिटरेसी प्रतियोगीता में यदुवंशी शिक्षा निकेतन थनवास के छात्रों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। जिसमें भाषण प्रतियोगिता में निशु ने द्वित्तीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार पेंटिंग में जैकी ने द्वितीय, क्विज कंपटीशन में इशान, सिद्धार्थ व अंजलि ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। ये सभी विद्यार्थी अब डिस्ट्रिक्ट लेवल पर आयोजित प्रतियोगिताओं में अपना प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद स्टेट लेवल की प्रतियोगिताओं में भी

नारनौल। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

जाएंगे। इन बच्चों के श्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर खुशी व्यक्त करते हुए यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि बच्चे हर प्रकार की प्रतियोगिताओं में अपना स्थान प्राप्त करते हैं। विद्यालय की डायरेक्टर सुनिता यादव, प्रधानाचार्य रमेश यादव ने कहा कि विद्यालय हर प्रकार की प्रतियोगिताओं में अपने बच्चों को भेजता है तथा वहां विद्यार्थी सभी प्रकार की स्पर्धाओं में अपना स्थान प्राप्त करते हैं।

बीआर स्कूल में इंस्पायर मानक अवॉर्ड्स पर कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

बीआर आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेहलंग में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें इंस्पायर मानक अवॉर्ड्स के महत्व और प्रक्रिया पर चर्चा की गई। इस कार्यशाला का नेतृत्व स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. राम मोहन वशिष्ठ ने किया। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित किया कि वे अपने आसपास की समस्याओं को पहचाने और उनके लिए नवाचारपूर्ण समाधान विकसित करें। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूक करना

महेंद्रगढ़। कार्यशाला में भाग लेते हुए विद्यार्थी एवं स्टॉफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

और उन्हें इंस्पायर मानक अवॉर्ड्स में भाग लेने के लिए प्रेरित करना था। डॉ. वशिष्ठ ने छात्रों को बताया कि कैसे वे अपने दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं का समाधान ढूंढ सकते हैं और उन समाधानों को नवाचारों के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं।

उन्होंने छात्रों को यह भी समझाया कि केंद्रीय मानव संसाधन विभाग की ओर से आयोजित इंस्पायर मानक अवॉर्ड्स क्या हैं और इन अवॉर्ड्स के माध्यम से किस प्रकार छात्रों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और सम्मान प्राप्त हो सकता है। कार्यशाला के दौरान छात्रों ने भी अपने विचार साझा किए और प्रधानाचार्य से मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यशाला के अंत में विद्यालय चेयरमैन हरीश भारद्वाज ने छात्रों को विश्वास दिलाया कि स्कूल प्रशासन उनके नवाचारों का पूरा समर्थन करेगा और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला सिर्फ एक शुरूआत है और स्कूल भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियों का आयोजन करता रहेगा।

सूरज कॉलेज के एमएससी ज्योग्राफी चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा कोमल ने 8.8 एसजीपीए लेकर किया टॉप

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर द्वारा आयोजित स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा में चतुर्थ सेमेस्टर के परिणाम में सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। कॉलेज निदेशक संदीप प्रसाद ने भी परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए कामना की। ज्योग्राफी की चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा कोमल पुत्री शिवकुमार गांव

कोमल। पूजा। चेतना।
- कॉलेज निदेशक संदीप प्रसाद ने परिणाम पर खुशी जाहिर किया

नांगल मूंदी ने 8.8 एसजीपीए लेकर विश्वविद्यालय में छठा एवं पूरे कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी कोर्स की छात्रा पूजा पुत्री महेश कुमार निवासी झाडोदा ने 8.53 एसजीपीए लेकर कॉलेज में द्वितीय एवं चेतना यादव पुत्री सुभाष ग्राम पोता ने 8.4 एसजीपीए लेकर कॉलेज में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में संतोष पुत्री सत्यवीर ने 8.27 एसजीपीए, रेखा चौहान पुत्री राम अवतार सिंह ने 8.27 एसजीपीए, पूजा पुत्री शिवकुमार ने 8.27 एसजीपीए, मीनाक्षी पुत्री जय भगवान ने 7.6 एसजीपीए प्राप्त किए। वहीं कॉलेज के अधिकांश विद्यार्थी प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण होने में सफल रहे। कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि कॉलेज के विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है।

राव सुल्तान सिंह स्कूल में स्पर्धा आयोजित

महेंद्रगढ़। राव सुल्तान सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल निंबेहड़ा में हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संस्था निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि जब हम बच्चों को सुलेख लिखते हुए देखते हैं तो कुछ बच्चों ने अपनी लिखावट के आगे कंप्यूटर को भी पीछे छोड़ दिया। उनके अक्षरों की बनावट बहुत अच्छी और ठीक थी। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिता से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। इससे अक्षरों की बनावट और लिखने की गति बढ़ती हैं। विद्यालय में बच्चों के सर्वांगीण

महेंद्रगढ़। स्पर्धा में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

विकास के लिए समय-समय आयोजित कराए जाते हैं। प्रतियोगिता के आयोजक मोनिका शर्मा ने बताया कि इसमें कक्षा चौथी से बाहरवीं तक के सभी बच्चों ने हिस्सा लिया। जिसमें अन्नू, साक्षी, रिया, नैंसी, अंशु, पूजा व पायल ने अपने हुनर का कमाल दिखाते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। मानसी, यस्वी, दीपांशी, बबली, तनू ने दूसरा तथा सरिता, पायल व कंचन तीसरे स्थान पर रही। संस्था प्राचार्य राजकुमार शर्मा ने भी कहा कि प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिव भक्तों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग

नारनौल। प्रजा भलाई संगठन के सुप्रीमो बसपा नेता अतरलाल ने हरियाणा, उत्तरप्रदेश तथा उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों को ज्ञापन भेजकर कावड़ लाने वाले शिवभक्तों की सुरक्षा के लिए पुख्ता प्रबन्ध करने की मांग की है। ज्ञापन की प्रति हरियाणा के सभी उपायुक्त तथा पुलिस अधीक्षकों को भी भेजी गई है। ज्ञापन के बारे में जानकारी देते हुए अतरलाल ने कहा कि आगामी 22 जुलाई से शिवभक्तों की कावड़ यात्रा शुरू हो रही है। इसके तहत शिव भक्त अपने आराध्य देव भोले शंकर को प्रसन्न करने के लिए गंगोत्री हरिद्वार से गंगाजल उठाकर कावड़ के रूप में हरियाणा के विभिन्न जिलों के लिए प्रस्थान करेंगे। इस दौरान हरियाणा के अटेली क्षेत्र के गांव बाघोत में हजारों श्रद्धालु कावड़ लाकर आदि शिवलिंग पर पवित्र जलभेषक करेंगे। इसी तरह राज्य के विभिन्न जिलों के प्रमुख शिवालयों में कावड़ यात्री भोले शंकर पर पवित्र जलभेषक करेंगे। इसलिए हमने हरियाणा, उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड की राज्य सरकारों तथा उपायुक्त व पुलिस अधीक्षकों को ज्ञापन भेजकर मांग की है कि कावड़ लाने वाले शिव भक्तों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कारगर कदम उठाए जाएं।

जीएल स्कूल कनीना में सम्मान समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

जीएल पब्लिक स्कूल कनीना में सीए फाइनल, नीट, और आईआईटी एडवांस में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य राजेंद्र कुमार शर्मा द्वारा विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष फूल अर्पित व दीप जलाकर किया गया। इसके साथ ही सीए फाइनल में सफलता हासिल करने वाली छात्रा दिव्या मित्तल पुत्री हेमंत मित्तल कनीना, नीट परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाली छात्रा तनीशा पुत्री सुनील कुमार, सेजल कुंडू पुत्री सतीश झज्जर, सुयश पुत्र बिजेंद्र सिंह कनीना और आईआईटी एडवांस में सफलता

महेंद्रगढ़। सफल विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

प्राप्त करने वाला छात्र पार्थ सिंगला पुत्र अमित कुमार कनीना को प्रधानाचार्य द्वारा उनके अभिभावकों के साथ फूलमाला पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि इन सभी विद्यार्थियों ने ऐसी कठिन परीक्षाओं में कामयाबी हासिल कर अपने स्कूल और माता-पिता का नाम रोशन किया है। इन सभी विद्यार्थियों अपनी पढ़ाई कक्षा नर्सरी से लेकर 12वीं तक की शिक्षा जीएल पब्लिक स्कूल कनीना से पास की है। ये सभी विद्यार्थी कुशाग्रबुद्धि के रहे हैं। जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और अध्यापकों के मार्गदर्शन पर चलकर आज इस मुकाम को हासिल किया है।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

वर्तमान समय में बच्चों में नैतिक विकास अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में शुक्रवार को सीबीएसई द्वारा निर्धारित नैतिक शिक्षा क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नौनिहालों कक्षा एलकेजी से प्रथम तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य वर्तमान में हो रहे विकृत मानसिकता को शिक्षा द्वारा आध्यात्मिक और मानवीय गुणों को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने कविता पाठ, भाषण एवं अपने विचारों के माध्यम से नैतिक गुणों पर बल दिया। ग्रुप डायरेक्टर विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह, वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव एवं चेयरपर्सन संगीता यादव ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों में सुसंस्कार होने अति आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों में स्वावलंबन, आत्मबल, स्वास्थ्य एवं नैतिक मूल्यों के वर्धन के लिए विद्यालय द्वारा समय-समय पर नैतिक शिक्षा दी जानी चाहिए।

यदुवंशी ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि नैतिक शिक्षा द्वारा विद्यार्थियों को उनके जीवन में उच्च आदर्शों की प्रेरणा मिलती है और बच्चा एक उत्तम नागरिक बनने की राह में अपना कदम रखता है। यह बाल अवस्था ही नैतिक शिक्षा की आधारशिला है। इस अवसर पर प्राचार्य पवन यादव, हैड अरविंद्र यादव, नरेंद्र यादव, सुंदर सुहाग, नवीन स्वामी, निशा यादव सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज करनाल में मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन

मुख्यमंत्री ने आरोही स्कूल के टॉपर्स को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज करनाल के सभागार में मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 10वीं व 12वीं कक्षा के प्रदेश के सभी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया। इस समारोह में दसवीं व बारहवीं में राज्यभर व जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान हासिल करने वाले सभी मेधावी छात्र व छात्राओं को मेडल पहनकर तथा प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

आरोही मॉडल स्कूल मंढाणा के छात्र जतिन अग्रवाल ने कक्षा 12वीं में विज्ञान संकाय में राजयभर के पहले तीन विद्यार्थियों में जगह बनाई

नारनौल। सम्मानित होने वाले विद्यार्थी सीएम नायब सिंह सैनी के साथ। फोटो: हरिभूमि

व अमन बंसल ने कक्षा 12वीं वाणिज्य संकाय में राजयभर में पहले तीन विद्यार्थियों में जगह बनाई। इस अवसर पर जिला स्तर पर आरोही मॉडल स्कूल मंढाणा के विज्ञान संकाय के छात्र जतिन पुत्र राकेश कुमार नांगल चौधरी प्रथम, थावर सिंह पुत्र मनीराम दोखेरा द्वितीय, अंशुका पुत्री नरेंद्र कुमार नांगल चौधरी तृतीय, वाणिज्य संकाय में अमन बंसल पुत्र नरेंद्र बंसल नांगल चौधरी प्रथम, कला संकाय में काया शर्मा पुत्री रतन सिंह बामनवास खेता प्रथम, कक्षा दसवीं में इशांत पुत्र रजनेश दताल को मेडल पहनाकर व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। मेधावी सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री के हाथों से जब इन छात्र छात्राओं ने पदक व प्रमाण पत्र मिला तो उनके परिजन भी इन लम्हों को अपने मोबाइल फोन में कैद करते हुए भावुक दिखाई दिए और उनकी खुशी का ढिकाना नहीं रहा। उनका कहना था की वे इस पल को देखकर बहुत खुश हैं। इस अवसर पर आरोही मॉडल स्कूल प्राचार्य लीलूराम यादव ने इन बच्चों को ढेर सारी शुभकामनाएं दी।

रोडवेज बस का संचालन होने पर जताई खुशी

कनीना। कोटिया, कारोली, बव्वा, बहाला व बहूझोलरी सहित दर्जनभर गांवों के ग्रामीणों को कनीना से दादरी जाने के लिए रोडवेज की सुविधा उपलब्ध होगी। ग्रामीणों की ओर से इस संदर्भ में पिछले समय से अटेली के विधायक सीताराम यादव व कोसली के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव सहित रोडवेज के महाप्रबंधक अनित यादव से इस रूट पर रोडवेज की बस चलाने की मांग की जा रही थी। शुक्रवार से इस रूट पर बस का संचालन शुरू कर दिया गया है। ग्रामीण रूट पर पहली बार बस का संचालन होने से ग्रामीणों ने चालक संजय कुमार तथा परिचालक संदीप कुमार का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। यह बस सुबह 7:40 बजे कनीना बस स्टैंड से रवाना होगी। इसके बाद 7:45 पर कोटिया, 7:50 बजे कारोली मोड़, 7:55 पर कारोली, आठ बजे बव्वा, 8:05 बहाला, 8 बजे खेड़ा, 8:15 बजे बहूझोलरी, 8:30 बजे चिड़िया तथा नौ बजे चरखी दादरी पहुंचेगी।

खबर संक्षेप

महेंद्रगढ़। नकदी लौटाते चालक और परिचालक। फोटो : हरिभूमि

रुपये लौटाकर दिया ईमानदारी का परिचय

महेंद्रगढ़। रोडवेज चालक व परिचालक की ईमानदारी के चलते 18100 रुपये बस की सीट के नीचे मिले जो कादमा निवासी अमित को लौटा दिया। बस स्टैंड महेंद्रगढ़ पर सवारियां उतरने के बाद चालक नत्थूराम व परिचालक जितेंद्र ने देखा तो सीट के नीचे एक थैली पड़ी दिखाई दी, जिसकी जांच करने पर उसमें 18100 की नगदी मिली। जो अमित कादमा को लौटा दी।

व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह का आयोजन 22 से

नारनौल। जिला रोजगार कार्यालय में आगामी 22 से 26 जुलाई तक सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान रोजगार से संबंधित व्यवसायिक साहित्य की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। यह जानकारी देते हुए जिला रोजगार अधिकारी कुमारी शशि ने बताया कि इसमें स्कूल व कॉलेज की अंतिम कक्षाओं में अध्ययन करने वाले एवं परीक्षा पास कर चुके छात्रों को व्यवसाय एवं प्रशिक्षण सुविधाओं के बारे में जागरूक किया जाएगा।

मंच का उद्घाटन करेंगे दुष्यंत चौटाला

मंडी अटेली। राजकीय मिडल स्कूल अटाली में मंच का उदघाटन पूर्व सांसद डॉ. अजय सिंह चौटाला व पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला 20 जुलाई को करेंगे। यह मंच कुलदीप अटाली ने अपने दादा राव बुधराम की याद में बनावाई है। राव कुलदीप सिंह ने बताया कि यह स्टेज गांव के सरकारी स्कूल में विद्यार्थियों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों बेहतर तरीके से कर सके, इसलिए मंच बनवाया गया है, ताकि विद्यार्थियों के टेलेंट का निखारा जा सके। उद्घाटन समारोह 2 बजे के बाद जेजेपी नेता ग्रामीणों को संबोधित भी करेंगे।

गुरु पूर्णिमा पर सिहमा मंदिर में रात्रि सत्संग आज

मंडी अटेली। बाबा खेतानाथ मंदिर सिहमा में गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में महंत शंकरनाथ एवं योगी बाबा अतवार नाथ की अध्यक्षता में 20 जुलाई रात्रि को मंदिर परिसर में सत्संग का आयोजन किया जाएगा। 21 जुलाई कल सुबह से ही भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस भंडारे में क्षेत्र के सैकड़ों गांव के लोग पहुंचेंगे। जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि बाबा खेतानाथ की महिमा हमेशा गांव पर बनी रहती है। इस भंडारे में क्षेत्र के अधिकतर गांवों के लोग बाबा का आशीर्वाद लेकर अपनी मन्नतें मांगते हैं।

हकेंवि में 2.47 एकड़ भूमि पर लगाए 37 प्रकार के दस हजार पौधे

जिले के पहले मियावाकी वन का कुलपति व एसपी ने किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जिले के पहले मियावाकी वन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस परियोजना के लिए विश्वविद्यालय को चुनने के लिए जिला वन विभाग की सराहना की और कहा कि यह राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय में स्थापित पहला मियावाकी वन है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व जिला वन अधिकारी राजकुमार भी उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में छोटे भूखंडों और मियावाकी वन विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा भी मिलेगा। कुलपति ने पौधारोपण के साथ-साथ उनकी देखभाल करने का भी सभी से आह्वान किया। उन्होंने सतत विकास की आवश्यकता बताते हुए प्लास्टिक का उपयोग से बचने तथा पर्यावरण व जल संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने एक पौधा मां के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हमारी धरती को हरा-भरा करने के लिए हम सभी का सामूहिक प्रयास आवश्यक है। एसपी अर्श वर्मा ने बच्चों को संदेश के माध्यम से बताया कि वन विभाग द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में किया गया मियावाकी वन सराहनीय कार्य है।जिला वन अधिकारी राजकुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में मियावाकी वन 2.47 एकड़ भूमि में लगाया गया है। इसमें आंवला, नीम, सहजना, पीपल, जकरंडा, पापड़ी, शीशम, सीरस, जामुन सहित 37 प्रकार के 10000 पौधे लगाए गए हैं। विश्वविद्यालय के शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण और परिसर में हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस क्लब संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि जंगल से न केवल हरियाली और सौंदर्य बढ़ेगा बल्कि पक्षियों को भी आश्रय मिलेगा। इस अवसर पर कुलपति, समकुलपति, एसपी, जिला वन अधिकारी, पाली गांव के सरपंच देशराज सिंह फौजी सहित अन्य लोगों ने पौधारोपण भी किया। आयोजन में जिला प्रशासन की ओर से एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. बीरपाल सिंह यादव, डॉ. जितेंद्र, डॉ. मनीष सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, वन विभाग की ओर से रेंज आफिसर चंद्रगुप्त, नरेंद्र, सज्जन, कृष्ण तथा राजेश शर्मा झाड़ली, पाली गांव के सरंपच देशराज आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पौधरोपण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

कनीना। एसडीएम सुरेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपते पत्रकार। फोटो : हरिभूमि

कार्यालय खोलने की मांग एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

सब डिवीजन बनने के 10 वर्ष बाद भी एआईपीआरओ, अस्सिटेंट इनफॉरमेशन एंड पब्लिक रिलेशंस ऑफिसर कार्यालय संचालित नहीं होने पर पत्रकारों ने शुक्रवार को एसडीएम सुरेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन पत्र के माध्यम से पत्रकारों ने कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से 2014 में उपमंडल कार्यालय संचालित किया गया था, इसके बाद लगभग सभी विभागों के कार्यालय संचालित कर दिए गए, लेकिन सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों का प्रचार प्रसार करने वाले विभाग के कार्यालय एवं स्टाफ को मंजूरी तक नहीं दी गई। दूसरी ओर प्रदेश सरकार की कार्य योजना अनुसार प्रत्येक उपमंडल में एआईपीआरओ कार्यालय संचालित है, जबकि कनीना सब डिवीजन इस विभाग की सुविधाओं से वंचित है। असिस्टेंट इनफॉरमेशन एंड पब्लिक रिलेशन ऑफिसर का कार्यालय संचालित नहीं होने से सरकार व आमजन के बीच सेतु का कार्य करने वाले मीडिया कर्मियों को भी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। पत्रकार दीपचंद यादव, विजय कुमार, सुनील दीक्षित, राजीव सुल्तानिया, जसवंत सिंह व दलीप सिंह ने एसडीएम सुरेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपकर कर कनीना में शीघ्र असिस्टेंट इनफॉरमेशन एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिसर कार्यालय संचालित करने की मांग की है।

नर्सिंग वेलफेयर एसोसिएशन 25 जुलाई को करेगी हड़ताल, सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नर्सिंग वेलफेयर एसोसिएशन 25 जुलाई को हड़ताल पर रहेगी। जिसको लेकर शुक्रवार को नर्सिंग वेलफेयर एसोसिएशन जिला महेंद्रगढ़ की नर्सिंग ऑफिसर यूनियन ने सिविल सर्जन डा. रमेश चन्द्र आर्य को ज्ञापन दिया। जिसमें नर्सिंग रिस्क अलाउंस 7200 रुपये करने, नर्सिंग ऑफिसर के पद को ग्रुप बी में शामिल करने, डीजीएचएस में नर्सिंग कैडर के रिक्त पद डिप्टी डायरेक्टर भरने की मांग की। इस अवसर पर यूनियन ने ज्ञापन में कहा कि उपरोक्त मांगों को लेकर 23 व 24 जुलाई को काले बिल्ले लगाकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा 25 जुलाई को जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में सुबह नौ बजे से सुबह 11 बजे तक दो घंटे की सांकेतिक हड़ताल की जाएगी। इसके बाद भी सरकार ने कोई समाधान नहीं किया तो मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में जिला प्रधान सुशीला कौशिक, जिला सचिव कृष्ण कुमार, कमला नेहरा, अनिता यादव, विकास यादव, आशिष कुमार, सावन, हिम्मत, सहदेव, संदीप, विकास आदि मौजूद थे।

नारनौल। सिविल सर्जन डा. रमेश चन्द्र आर्य को ज्ञापन सौंपते एसोसिएशन के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हकेंवि के सहआचार्य को मिली विलियम गैंबल फैलोशिप

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई सहयोग की शुरूआत की गई है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय कुलपति के सहयोग से विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं सहआचार्य डॉ. रूपेश देशमुख को प्रतिष्ठित विलियम गैंबल फैलोशिप प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. रूपेश देशमुख की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी। यहां बता दें कि विलियम गैंबल फैलोशिप आस्ट्रेलिया के डूकी कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य विलियम गैंबल की स्मृति में शुरू की गई फैलोशिप है। इसके अंतर्गत डॉ. रूपेश देशमुख को तीन महीने के लिए मेलबर्न विश्वविद्यालय में शोध एवं शिक्षण करने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर डॉ. रूपेश देशमुख ने बताया कि मेलबर्न विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉ. सजीता बिजू ने हाल ही में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रयोगशाला का भ्रमण किया और सिलिकॉन ट्रांसपोर्टर एक्वापोरिन्स पर कार्य भी किया। उन्होंने बताया कि विलियम गैंबल फैलोशिप के अंतर्गत वे डॉ. सजीता बिजू और डॉ. डॉरीन गुप्ता के साथ मिलकर शोध कार्य करेंगे। इसका लाभ उनके विद्यार्थियों व विभाग को भी मिलेगा। डॉ. रुपेश देशमुख ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार को उनके सहयोग व प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष आस्ट्रेलिया के मेलबर्न विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षा अध्ययन केंद्र के प्रतिनिधियों ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया था। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार अंतरराष्ट्रीय सहयोग स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं ताकि वैश्विक स्तर पर ज्ञान का आदान-प्रदान हो सके।

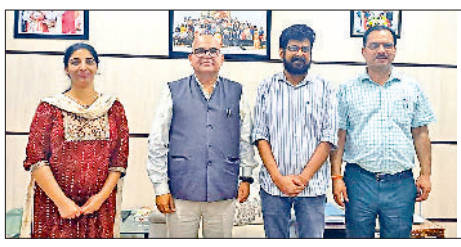

महेंद्रगढ़। फैलोशिप मिलने के बाद कुलपति टंकेश्वर कुमार के साथ डॉ. रूपेश देशमुख। फोटो : हरिभूमि

श्रीराम कथा के आरंभ पर निकाली निशान यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर की धार्मिक एवं सामाजिक संस्था राजेश्वरम परिवार की ओर से गुरु पूर्णिमा महोत्सव को लेकर अग्रवाल सभा में शुक्रवार से तीन दिवसीय श्रीराम कथा के भव्य आयोजन शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर सुबह नई मंडी के ठाकुर जी मंदिर से निशान यात्रा निकाली गई, जो लोहा मंडी, अग्रसेन चौक, राजीव चौक व काठ मंडी होते हुए आयोजन स्थल अग्रवाल सभा पहुंचकर संपन्न हुई। शोभा यात्रा में बैंडबाजे, डीजे, ढोल नगाड़े एवं यात्रा की अगुवाई कर रहे घोड़ा बग्गी आकर्षण का केंद्र रहे। निशान यात्रा में 251 महिलाओं ने भाग लेकर आयोजन को भव्य रूप प्रदान किया। इस अवसर पर कथा व्यास देवी भक्ति प्रभा व पचोकरा धाम के महंत गुरु प्रसाद, आचार्य बजरंग शास्त्री व मनीष शास्त्री शोभायात्रा में विशेष रूप से मौजूद रहे। यात्रा का जगह जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस श्रीराम निशान यात्रा के मुख्य यजमान सुरेंद्र डेरोलिया व नरेश बंसल सपरिवार रहे। जिनसे सर्वप्रथम पूजन करवाकर निशान उठवाए गए। निशान यात्रा में लोगों ने प्रभु श्रीराम के जयकारों पर नाचते गाते हुए खूब आनंद लिया। इसके बाद दोपहर एक दो बजे व्यास पीठ से कथा वाचक देवी भक्ति प्रभा ने कथा का सुंदर वर्णन किया गया। श्रीराम कथा के दौरान देवी भक्ति प्रभा ने गुरु पूर्णिमा नजदीक होने के चलते जीवन में गुरु के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कथा में बताया कि भगवान श्रीराम ने भी अपने मानव रूप में आकर किस तरह गुरुजनों का सम्मान किया। भक्ति प्रभा ने बताया कि गुरु जीवन में वह माध्यम हैं, जो भगवान से किसी भी व्यक्ति को सीधा मिलवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु की महिमा का वर्णन करना सहज नहीं है। महंत गुरुप्रसाद व आचार्य तेजस अयोध्या धाम ने अपने प्रवचनों से भगवान श्रीराम की महिमा का गुणगान कर सुंदर भजनों के माध्यम से भक्तों को सराबोर किया।

नारनौल। निशान यात्रा निकालती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

जिला मुख्यालय की मांग को लेकर संघर्ष टीम ने जनसंपर्क कर दिया निमत्रंण

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़ में जिला मुख्यालय स्थापित करवाने को लेकर चल रहे जनसंपर्क अभियान शुक्रवार को भी जारी रहा। इस दौरान संघर्ष कमेटी ने ग्रामीणों को आंदोलन में भाग लेने का आह्वान किय। संघर्ष कमेटी ने खायरा, पायगा, जाटवास, जांजडिवास, निंबी, छाजियावास, दुलोठ व जोनावास में ग्रामीणों को जागरूक किया तथा 10 अगस्त को होने वाले बड़े आंदोलन में भाग लेने की अपील की गई। जनसपर्क अभियान के दौरान मंच संचालन समाजसेवी रामनिवास पाटोदा ने किया। इस दौरान ग्रामीणों ने भी सरकार से महेंद्रगढ़ में जिला मुख्यालय स्थापित करवाने की मांग की हैं। ग्रामीणों ने संघर्ष कमेटी को आश्वासन दिया कि उनकी यह मांग जायज हैं। लेकिन यहां के जनप्रतिनिधियों की कमी के कारण महेंद्रगढ़ में जिला मुख्यालय स्थापित नहीं हो पा रहा हैं।

महेंद्रगढ़। मुख्यालय को लेकर जनसंपर्क करते संघर्ष समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

101 वाहनों की 50 किमी लंबी आशीर्वाद यात्रा निकाली

मंडी अटेली। युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष शांतनु चौहान ने शुक्रवार को पैतृक गांव कांटी से ग्रामीणों के आशीर्वाद लेकर अटेली विधानसभा से आगामी चुनाव के लिए ताल ठोक दी है। सबसे पहले गांव के गणेशी दास मंदिर व दूसरे धार्मिक स्थलों से पूजा अर्चना कर गांव के बुजुर्ग महिला व पुरुषों से आशीर्वाद लिया। उसके बाद कांटी गांव से 101 वाहनों में लोगों की मौजूदगी में अटेली के झंडा चौक, सैदपुर, नीरपुर, नया बस स्टैंड, महासर, भोजावास, मोहनपुर, कनीना से होते हुए 50 किमी. लंबी आशीर्वाद यात्रा निकाली। यात्रा में युवाओं के साथ पार्टी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। युवा प्रदेशउपाध्यक्ष शांतनु चौहान ने कहा कि भाजपा के राज में बेरोजगारी बढने के जाति-धर्म के नाम से नफरत फैला दी है। वह अपने पैतृक गांव से अटेली विधान सभा से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में लोगों के बीच में जनसंपर्क विधिवत प्रारंभ कर दिया है।

मंडी अटेली। लंबी आशीर्वाद यात्रा निकालते हुए। फोटो : हरिभूमि

डिपो होल्डरों ने एसडीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

महेंद्रगढ़। डिपो होल्डरों ने शुक्रवार को एसडीएम के नाम रीडर सुदेश पूनिया को ज्ञापन सौंपकर गेंहू के बैग में मिट्टी व रेत डालने का आरोप लगाया है। डिपो होल्डर भवानी दत्त शर्मा, मंजू बाला, विनोद कुमार, अंजू अग्रवाल व महावीर सिंह ने एसडीएम के नाम सौंपे ज्ञापन में कहा कि पीआर सेंटर महेंद्रगढ़ से राशन डिपो पर गेंहू में मिट्टी, रेत, कंकड़ व पानी डालकर दिया जाता हैं। इसके अलावा धर्मकांटे से सेंटिग करके एक हीं धर्मकांटे से गेंहू की तुलाई होती है, वह कम दिया जाता हैं। इसके अलावा डिपो धारकों को बारदाना देने में भी हेरा-फेरी की जाती हैं। उन्होंने बताया कि धर्मकांटे पर पार्ट टाइम चौकीदार बिल काटता है, उसी से पीआर सेंटर के निरीक्षक हेरा-फेरी करवाता हैं। उन्होंने बताया कि पीआर सेंटर पर आठ-दस साल से एक निरीक्षक को चार्ज दे रखा हैं। जबकि इनकी नियुक्ति कनीना सेंटर की हैं। उन्होंने मांग की है कि यहां से इनका इंचार्ज हटाया जाए।

महेंद्रगढ़। एसडीएम रीडर सुदेश पूनियां को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। लोगों की शिकायत सुनते एसडीएम संजीव कुमार। फोटो : हरिभूमि

एसडीएम ने समाधान शिविर में सुनीं लोगों की समस्याएं

महेंद्रगढ़। एसडीएम संजीव कुमार ने शुक्रवार को समाधान शिविर में पांच लोगों की शिकायतें सुनी। इनमें से ज्यादातर शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया। बाकि शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजकर जल्द निपटारा करने के निर्देश दिए। सरकार के निर्देशानुसार चल रहे समाधान शिविर में हर रोज सुबह नौ से 11 बजे तक उपमंडल स्तर पर इसी जगह समाधान शिविर लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन शिविरों में पुलिस, राजस्व, नगर परिषद, समाज कल्याण आदि जन कल्याण की योजनाएं लागू करने वाले विभागों के अधिकारी उपस्थित रहते हैं। अब प्रॉपर्टी आईडी और परिवार पहचान पत्र की त्रुटियां दूर करने के लिए सुनवाई जिला और उपमंडल स्तर पर हो रही है। इस मौके पर कृषि विभाग से एसडीओ गजानंद, नगरपालिका से खिल्लूराम, जिला कल्याण विभाग से ममता, जिला समाज कल्याण विभाग से प्रदीप, क्रीड विभाग से रवि तंवर के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जमीनी विवाद के चलते की थी हत्या, चार दोषियों को पहले ही मिल चुकी सजा

हत्या के मामले में दोषी को आजीवन कारावास की सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जमीनी विवाद के चलते हत्या करने के मामले में एक और दोषी को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश योगेश चौधरी की कोर्ट ने उम्र कैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही जुर्माना भी लगाया है।

न्यायालय ने दोषी रामबीर वासी बसई को धारा 302/49 भारतीय दंड संहिता में उम्र कैद की सजा व 100000 का जुर्माना धारा 148 आईपीसी के तहत तीन साल कठोर कारावास की सजा तथा पांच हजार रुपये जुर्माना, धारा 323/149 आईपीसी के तहत एक साल कठोर कारावास की सजा और एक हजार रुपये जुर्माना, धारा 325/149 आईपीसी के तहत तीन साल कठोर कारावास की सजा व 50 हजार रुपये जुर्माना, धारा 201/149 आईपीसी के तहत तीन साल कठोर कारावास की सजा व 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। इस मामले में चार दोषियों को पहले सजा सुनाई गई थी। जानकारी के अनुसार 2011 में जमीनी विवाद के चलते नामजद आरोपितों ने शिकायतकर्ता के पिता व भाई की हत्या कर दी थी और अन्य लोगों को चोटें भी मारी थी। शिकायतकर्ता सतीश वासी बसई ने थाना महेंद्रगढ़ में नामजद लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत में उसने बताया था कि वह कंवरपाल के साथ अपने घर जा रहा था। रास्ते में कृष्णपाल व करीब 10 अन्य आदमी खड़े थे। जिन्होंने उन दोनों को रोककर उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद वो वहां से बचकर भाग गए। शिकायतकर्ता ने इसकी सूचना फोन पर अपने पिता को दी, जिस पर शिकायतकर्ता का पिता व उसका भाई व अन्य लोग आ गए और झगड़े के बारे में पूछने लगे। इस दौरान आरोपित अपने हाथों में कुल्हाड़ी, लाठी, फरसी व अन्य हथियार लेकर आए और हमला कर दिया।

हत्या कर जोहड़ में फेंका

शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपितों ने उसके भाई की हत्या कर जोहड़ में फेंक दिया तथा उसके पिता पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। मामले में महेंद्रगढ़ पुलिस ने बिना किसी विलंब के अभियोग अंकित किया। इसके बाद जांच इकाई ने महत्वपूर्ण साक्ष्यों का आंकलन कर अभियोग में प्रभावी कार्रवाई करते हुए आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। न्यायालय में सुनवाई के दौरान उप जिला न्यायवादी हीना राजपाल ने अभियोजन के पक्ष में प्रभावशाली पैरवी करते हुए दोषियों को सजा दिलाने में भूमिका निभाई। सुनवाई के दौरान माननीय न्यायालय ने मामले को बहुत ही संगीन माना और दोषियों की सजा में कोई नरमी नहीं बरती। न्यायालय ने अभियोग में सुनवाई करते हुए एक और दोषी को उम्र कैद की सजा सुनाई व जुर्माना लगाया है। इस मामले में चार दोषियों को पहले सजा सुनाई गई थी।

श्रीगौड़ ब्राह्मण सभा को भवन निर्माण के लिए जमीन देने की मांग

कनीना। श्रीगौड़ ब्राह्मण सभा के पदाधिकारी की ओर से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ज्ञापन सौंपकर सभा भवन निर्माण के लिए दो कनाल जमीन की मांग की गई है। इस बारे में सभा के प्रधान डा. रविंद्र कौशिक, सुरेश शर्मा, दिलीप सिंह, एडवोकेट जितेंद्र शर्मा, सुरेश वशिष्ठ, मोहित कुमार, सुनील कुमार, नरेंद्र कुमार की ओर से हाल ही में सीएम आवास चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर में आयोजित ब्राह्मण सम्मेलन में मुख्यमंत्री को ज्ञापन पत्र सौंपा गया। इसके अलावा उन्होंने कनीना के उप नागरिक अस्पताल को एफआरयू का दर्जा देने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को इससे सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने इन दोनों मांगों पर शीघ्र निर्णायक फैसला लेने का आश्वासन दिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005